rojgar with ankit

RPF रेल रक्षक बैच

History Class-34

[6] बहराम शाह (1240-42)

⇒ इल्तुतमिश का पुत्र, (रजिया का भाई)
Son of Iltutmish (brother of Razia)

⇒ इसने अपना नायब-ए-मुमलिकात - एतगीन को नियुक्त किया
It appointed its Naib-i-Mumlikat - Etgin
PM ⇒ प्रधानमंत्री

⇒ एतगीन की हत्या कराई
Atgin was murdered

⇒ तमर तयर के नेतृत्व में मंगोलो ने 1241 में आक्रमण किया
The Mongols invaded in 1241 under the leadership of Tayyar

→ 1242 में बहरामशाह की हत्या करवा दी गयी।

[7] मसूदशाह (1242-46)

⇒ रुकनुद्दीन फिरोज का पुत्र Son of Ruknuddin Firoz

→ किशलू खां ने गद्दी प्राप्त करने में सहायता की।

[8] नसीरुद्दीन महमूद (1246-1266)

⇒ इल्तुतमिश का पुत्र Son of Iltutmish

⇒ सल्तनत काल का औरंगजेब Awrangzeb of the Sultanate Period

⇒ टोपी सिकर जीवन व्यतीत करता था।
He used to live his life by looking for caps.

⇒ नायब-ए-मुमलिकात (PM) - बलबन Naib-i-Mumlikat-Balban

⇒ महमूद बलबन का दामाद था। Mahmud was the son-in-law of Balban

⇒ शम्सी वंश का खात्मा, प्रथम इल्बरी वंश का खात्मा
End of Shamsi dynasty, end of first Ilbari dynasty

= बलबन (1266-1287)

↳ इसका शासनकाल द्वितीय इलबरी वंश का शुरुआत माना जाता है।
His reign is considered the beginning of the Second Ilbury dynasty

बलबनी वंश Balbani dynasty

⇒ पूरा नाम - गयासुद्दीन बलबन Full name - Ghiyasuddin Balban

⇒ यह इल्तुतमिश का गुलाम था He was a slave of Iltutmish

⇒ वास्तविक नाम - बहाउद्दीन Real name - Bahauddin

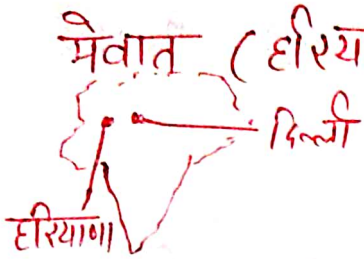
⇒ उपाधि - उलूग खाँ (यह उपाधि महमूद ने दी थी।)
Title - Ulugh Khan (This title was given by Mahmud)

जिल्ले इलाही (ईश्वर की छाया)

⇒ अमीर-ए-शिकार बना - बहराम के समय में
Became Amir-i-Shikar - in the time of Bahram

⇒ अमिर-ए-आखूर बना Became Amir-e-Akhoor.

⇒ लौह एवं रक्त नीति, मेवातियों के खिलाफ अपनाई।
Iron and blood policy adopted against Mevatio.



मेवातियों के खिलाफ
⇓
3000 अफगान सैनिक

⇒ तुर्क-ए-चहलगानी का अंत किया। Turk-e-Chahalgani ended.
(40 सरदारों का समूह)

⇒ सिजदा (झुकना), पाबोस (चूमना), नौरोज उत्सव (पारसी उत्सव) शुरू किए।
Started Sijda (bowing), pabos (kissing) Nowruz Celebrations

⇒ पहली बार गैर-इस्लामिक प्रथा दिल्ली सल्तनत में लागू हुई।
For the first time non-Islamic practices were introduced in the Delhi Sultanate

⇒ फारसी पद्धति में दरबार का गठन किया।
The Court was formed in the Persian system

⇒ दो विभाग बनाए Create two departments

(1) बरीद-ए-मुमालिक - (गुप्तचर विभाग)
Barid-e-Mumalik - (Intelligence Department)

(2) दिवान-ए-अर्ज - (सैन्यविभाग)
Diwan-e-Arj (Millitary Department)

⇒ बलबन ने न्याय विभाग की स्थापना की थी।
Balban had established the Department of Justice

⇒ बलबन के समय 1279, 1285 में – मंगोल आक्रमण हुए।
During the time of Balban, in 1279, 1285 – Mongal invasions took place.

⇒ 1279 में बंगाल में विद्रोह तुगरिल खां ने किया।
Tughril khan revolted in Bengal in 1279.

तुगरिल खां — बंगाल बलबन → दिल्ली
⇓
विद्रोह ⇒ दबाने के लिए
(1) अमीर खां – हार गया
(2) तिमरत खां – हार गया

मंगोल आक्रमण
⇓
1279, 1285 > दबाने ⇒ जलालुद्दीन खिलजी

⇒ बलबन
⇓
बेटा ⇒ बुगरा खां
⇓
गद्दी पर बैठने से इंकार कर दिया।

⇒ कैकुबाद (बलबन का पोता)
↳ किलोखरी का किला बनवाया
Kilokhari fort was built

⇒ कैमुर्स (शमसुद्दीन II)

↳ गुलाम वंश का अंतिम शासक

Last ruler of Slave dynasty

↳ इसकी हत्या जलालुद्दीन खिलजी ने करवा दी।

Commander of Balban

बलबन का सेनापति

खिलजी वंश (1290-1320 ई०)

↳ गुलाम वंश को समाप्त कर 1290 ई० / AD में

"जलालुद्दीन फिरोज खिलजी" ने खिलजी वंश की स्थापना की

⇓

उपाधि ⇒ शाइस्ता खां (कैकुबाद ने दी)

⇒ राज० ⇒ किलोखरी

⇒ सल्तनत काल का सबसे बुजुर्ग (68 वर्ष) शासक था

सिद्दीमौला

मलिक छज्जू ⇒ बलबन का भतीजा

फखरुद्दीन ⇒ बलबन का दोस्त